

सहारनपुर में अखिलेश की रैली टली: मौसम का असर या 36 बिरादरी का विरोध?

रणजीत टाइम्स

ranjeettimes.com

सहारनपुर। पश्चिमी उत्तर प्रदेश की राजनीति में समाजवादी पार्टी और राष्ट्रीय लोकदल के बीच बढ़ती तल्खी के बीच सहारनपुर में अखिलेश यादव की प्रस्तावित रैली स्थगित हो गई है। समाजवादी पार्टी ने 6 सितंबर की रैली टालने की आधिकारिक वजह भारी बारिश की आशंका और मौसम विभाग का अलर्ट बताया है।

रैली के आयोजक चौधरी रुद्रसैन के मुताबिक नई तारीख अखिलेश यादव से चर्चा के बाद तय की जाएगी। लेकिन रैली स्थगित होते ही इसके पीछे की राजनीतिक वजह को लेकर सवाल उठने लगे हैं। राष्ट्रीय लोकदल ने दावा किया है कि चौधरी परिवार को लेकर अखिलेश यादव की 'चवन्नी से रुपया' वाली टिप्पणी के बाद पश्चिमी यूपी में नाराजगी बढ़ी और 36 बिरादरी के बीच विरोध



का माहौल बना। रालोद का कहना है कि इसी जनाक्रोश और बहिष्कार के दबाव का असर रैली

पर पड़ा। विवाद की पृष्ठभूमि में अखिलेश यादव और जयंत चौधरी के बीच हालिया बयानबाजी भी

है। जयंत ने अखिलेश की टिप्पणी पर पलटवार करते हुए इसे चौधरी परिवार और जाट समाज के सम्मान से जोड़ दिया था। इसके बाद पश्चिमी यूपी में दोनों दलों के बीच राजनीतिक दूरी और स्पष्ट दिखाई देने लगी। दिलचस्प यह है कि रैली स्थगित होने के कुछ घंटे बाद ही अखिलेश यादव के 2 सितंबर को सहारनपुर पहुंचने का कार्यक्रम सामने आया। वह सपा महासचिव चौधरी रुद्रसैन के आवास पर जाएंगे। इससे राजनीतिक चर्चाओं को और हवा मिली है।

फिलहाल मौसम सपा की आधिकारिक वजह है, जबकि 36 बिरादरी का विरोध रालोद का राजनीतिक दावा। इन दोनों में वास्तविक कारण कितना है, इसका निर्णायक प्रमाण सामने नहीं आया है। लेकिन इतना साफ है कि 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले सहारनपुर पश्चिमी यूपी में सपा और रालोद की बढ़ती दूरी का बड़ा राजनीतिक मंच बन चुका है।

मुंबई में 1 सितंबर से महंगा होगा ऑटो-टैक्सी का सफर, जानिए नए किराए

रणजीत टाइम्स

ranjeettimes.com

मुंबई। मुंबई महानगर क्षेत्र में सफर करने वालों की जेब पर एक सितंबर 2026 से थोड़ा और बोझ बढ़ने वाला है। मुंबई महानगर क्षेत्र परिवहन प्राधिकरण ने काली-पीली टैक्सी और ऑटो-रिक्शा के किराए में बढ़ोतरी को मंजूरी दे दी है।

नए किराए मुंबई के साथ ठाणे, नवी मुंबई, कल्याण, वसई-विरार और पनवेल क्षेत्र में लागू होंगे। नई दर के अनुसार ऑटो का न्यूनतम किराया 26 रुपये से बढ़कर 27 रुपये हो जाएगा। यह किराया पहले 1.5 किलोमीटर के लिए होगा। इसके बाद प्रति किलोमीटर दर

भी बढ़कर करीब 18.22 रुपये हो जाएगी। वहीं काली-पीली टैक्सी का न्यूनतम किराया 31 रुपये से बढ़कर 33 रुपये होगा। पहले 1.5 किलोमीटर के बाद प्रति किलोमीटर किराया 20.66 रुपये से बढ़कर 21.90 रुपये किया गया है। किराया बढ़ाने के पीछे बढ़ती परिचालन लागत और ईंधन समेत वाहन संचालन से जुड़े खर्च को प्रमुख आधार माना गया है। इससे पहले मुंबई महानगर क्षेत्र में बड़ा किराया संशोधन फरवरी 2025 में हुआ था। एक महत्वपूर्ण बात यह है कि नए किराए लागू होने के बावजूद सभी वाहनों के मीटर तुरंत नए किराए के अनुसार नहीं हो पाएंगे।

जंतर-मंतर के बाद अब इंडिया गेट पर आंदोलन की तैयारी, अभिजीत दीपके बोले- सरकार ने वादा नहीं निभाया तो होगा 'सीजन-2'

रणजीत टाइम्स

ranjeettimes.com

नई दिल्ली। छात्रों से जुड़े मुद्दों और उनके खिलाफ दर्ज एफआईआर वापस लेने की मांग को लेकर एक बार फिर आंदोलन की तैयारी शुरू हो गई है। जंतर-मंतर पर हुए पिछले प्रदर्शन के बाद अब आंदोलन से जुड़े अभिजीत दीपके ने अगले चरण का ऐलान किया है। उन्होंने दावा किया है कि सरकार ने छात्रों के खिलाफ दर्ज एफआईआर वापस लेने का भरोसा दिया था, लेकिन करीब एक महीने बीत जाने के बाद भी इस दिशा में कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। दीपके का कहना है कि सरकार की कथित टालमटोल के कारण युवाओं को दोबारा आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ रहा है। अभिजीत दीपके ने सरकार पर छात्रों से किए गए वादे को पूरा नहीं करने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि पिछला आंदोलन समाप्त कराने से पहले

छात्रों की ओर से एफआईआर वापस लेने की मांग रखी गई थी। उनके मुताबिक, सरकार की ओर से इस मांग को स्वीकार करने का आश्वासन मिलने के बाद ही आंदोलन समाप्त किया गया था। लेकिन अब तक एफआईआर वापस लेने को लेकर कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है। दीपके के अनुसार, शुरुआत में सरकार की ओर से एफआईआर वापस नहीं लेने के पीछे सुप्रीम कोर्ट के आदेश का हवाला दिया गया था। उनका दावा है कि सरकार ने छात्रों को बताया था कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के कारण वह इस मामले में सीधे कोई कार्रवाई नहीं कर सकती। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट की ओर से एक और आदेश आया, जिसमें सरकार से संबंधित मामलों की सूची मांगी गई थी। दीपके का आरोप है कि इसके बावजूद सरकार ने अब तक यह सूची अदालत के सामने प्रस्तुत नहीं की है।

उन्होंने कहा कि छात्रों ने अपनी व्यक्तिगत

मांगों के लिए नहीं, बल्कि शिक्षा व्यवस्था से जुड़े मुद्दों को लेकर आंदोलन किया था। उनके मुताबिक, यदि शिक्षा व्यवस्था से जुड़ी समस्याएं गंभीर नहीं होतीं तो इतनी बड़ी संख्या में युवा आंदोलन के लिए सड़कों पर नहीं उतरते। दीपके ने सरकार पर आंदोलन करने वाले छात्रों के साथ धोखा करने का आरोप लगाते हुए कहा कि छात्रों को भरोसा दिया गया था कि उनके खिलाफ दर्ज एफआईआर वापस लेने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी। दीपके का कहना है कि आंदोलन खत्म होने के बाद छात्रों को उम्मीद थी कि सरकार अपने आश्वासन पर जल्द कार्रवाई करेगी। लेकिन एक महीने का समय गुजरने के बावजूद स्थिति में बदलाव नहीं हुआ। उनके मुताबिक, सरकार की ओर से लगातार हो रही कथित देरी ने युवाओं के बीच नाराजगी बढ़ा दी है। इसी वजह से आंदोलन को दोबारा शुरू करने का फैसला लिया गया है।

नेपाल में जल प्रलय: बह गए इंसान, घर-सड़क तबाह, 24 घंटे में बड़ा मौत का आंकड़ा

रणजीत टाइम्स

ranjeettimes.com

काठमांडू। नेपाल के रसुवा जिले में भोटेकोशी नदी में आई विनाशकारी अचानक बाढ़ ने भारी तबाही मचा दी है। 26 अगस्त की सुबह शुरू हुई इस आपदा में नदी के किनारे बसे इलाकों में घर, सड़कें, पुल और बिजली परियोजनाएं बुरी तरह प्रभावित हुई हैं। बचाव दल लगातार मलबे और नदी के आसपास लापता लोगों की तलाश कर रहे हैं।



ताजा रिपोर्टों के अनुसार कम से कम 162 लोगों की मौत हो चुकी है और कई लोग घायल बताए गए हैं। सैकड़ों लोग अभी भी संपर्क से बाहर हैं।

नेपाल की राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसार 116 लोगों को हेलीकॉप्टरों की मदद से सुरक्षित निकाला गया है। रसुवा का तिमुरे और स्याफ्रूबेसी क्षेत्र सबसे ज्यादा प्रभावित इलाकों में शामिल है। बाढ़ ने बस्तियों के साथ सड़क और

पुलों को बहा दिया। जलविद्युत ढांचे को भी नुकसान पहुंचा है। आपदा का असर रसुवा से आगे धादिंग, नुवाकोट, चितवन, गोरखा, नवलपरासी पूर्व और तनहुं तक दिखाई दिया है। रिपोर्टों के मुताबिक आपदा के बाद बड़ी संख्या में विदेशी नागरिक और पर्यटक भी लापता हैं। भारत के नागरिकों के भी लापता होने की खबरों ने चिंता बढ़ा दी है। नेपाल-चीन सीमा के पास स्थित यह क्षेत्र कैलाश-मानसरोवर यात्रा के मार्ग से भी जुड़ा है।

इंदौर शहर में 21 लाख वृक्षारोपण अभियान, सुपर कॉरिडोर पर बनेगा इंदौर का “नगर वन”

सह संपादक अनिल चौधरी

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने संत महंतों की उपस्थिति में उनके साथ किया 21000 पौधा रोपण का शुभारंभ

साधु-संतों के सानिध्य में वटुकों के शास्त्रोक्त मंत्रोच्चार के बीच बोहरा कॉलोनी में हुआ 21 हजार पौधों का रोपण

इंदौर के सुपर कॉरिडोर पर विकसित होगा विशाल नगर वन, तालाब में तैरती बोटिंग के साथ शहरवासियों को मिलेगी प्राकृतिक सुविधाओं की सौगात

इंदौर में नगर वन के विकास के लिए मंत्री विजयवर्गीय ने केन्द्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव से करी बात, इसके विकास में पैसों की नहीं आने देंगे कमी

100 एकड़ जमीन पर लगेंगे लाखों पौधे, भविष्य में शहर के लिए यह “नगर वन” ऑक्सीजन झोन का करेगा काम - कैलाश विजयवर्गीय

इंदौर - बुधवार को नगरीय प्रशासन मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय की उपस्थिति में सुपर कॉरिडोर पर गांधी नगर मेट्रो स्टेशन के पास स्थित बोहरा कॉलोनी में संत महंतों की विशेष उपस्थिति में 21 हजार पौधे रोपकर पौधारोपण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

इस अवसर पर बोलते हुए मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि जिस तरह रक्षाबंधन बहनों की रक्षा का पर्व है उसी तरह वृक्षारोपण धरती माँ की रक्षा का महोत्सव है।



साधु-संतों की उपस्थिति में यह धरती तीर्थ समान हो गई है मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि विश्व का बड़ा हिस्सा इस समय प्रदूषण की चपेट में है

ऐसे समय हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने एक पेड़ माँ के नाम से वृक्षारोपण का उद्घोष कर धरती को हरा-भरा करने का संदेश दिया। उन्होंने दुनिया भर के लोगों को संदेश दिया और कहा हम वृक्ष लगा रहे हैं, सौर ऊर्जा से बिजली बना रहे हैं। इस तरह हम धरती को बेहतर पर्यावरण प्रदान कर रहे हैं। यहां पर आज इतने संतों के आगमन से यह धरती पवित्र हो गई। संतों के वृक्षारोपण करने से यह क्षेत्र तीर्थ बन जाएगा। एक पेड़ लगाना शिव मंदिर के समान है क्योंकि वृक्ष जहरीली गैस रुपी जहर को सोखकर हमें प्राणवायु ऑक्सीजन का अमृत प्रदान करते हैं। पेड़ हमें जीवन देते हैं इसलिए हमारा कर्तव्य है कि जो हमें जीवन दे रहा है उसकी संख्या को बढ़ाएं। 2024 में हमने 51 लाख वृक्ष लगाए थे और साथ ही 12 लाख 40 हजार पौधारोपण का विश्व रिकॉर्ड भी बनाया था। मुझे यह कहते हुए गर्व है कि वो सभी पौधे अभी जीवित हैं और वृक्ष बनने की ओर अग्रसर हैं। ऐसा लगता है कि वो वृक्ष मुस्कुरा रहे हैं। इसी तरह का सघन वन यहां भी आकार लेगा। प्रकृति के अदभुत नजारे यहां भी



दिखाई देंगे। इस जमीन को नगर निगम ने वन विभाग से लिया है और यहां पर फव्वारे, तालाब और दूसरी सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएगी। इस जमीन पर ऐसे फलदार वृक्ष लगाए जाएंगे, जो प्रवासी पक्षियों को आकर्षित करेंगे। प्रवासी पक्षी शीतकाल में हजारों किलोमीटर की सफर तय कर यूरोप से हमारे यहां पर आते हैं। हमारी कोशिश है कि वे पक्षी इस स्थान पर अपना बसेरा बनाएं। इसके बाद 5 सितंबर के दतूनी पहाड़ी पर महा वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया जाएगा। वहां पर भी हजारों पेड़ लगाकर वृक्षारोपण अभियान का शुभारंभ किया जाएगा और भविष्य में दतूनी पहाड़ी पर भी लाखों पेड़ आपको लहलहाते दिखाई देंगे। इस तरह भविष्य का स्वच्छ इंदौर हरा-भरा हरित इंदौर भी होगा। इस अवसर पर जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट ने कहा कि यह एक ऐतिहासिक पल है। जिस संकल्प के साथ साधु-संत जुड़ जाते हैं वह संकल्प सिद्ध हो जाता है। कैलाशजी केवल पौधा लगाते नहीं हैं, बल्कि उसकी पूरी जिम्मेदारी लेकर उसको विशाल वृक्ष भी बनाते हैं।

100 एकड़ जमीन पर सघन वन लेगा आकार

सुपर कॉरिडोर के बोहरा कॉलोनी स्थित वन विभाग की इस 100 एकड़ भूमि को “नगर वन” के रूप में विकसित किया जाएगा। इस क्षेत्र को

विकसित करने के लिए बड़े बजट की जरूरत होगी, इसके लिए मंत्री विजयवर्गीय ने केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव से बात की है। इसके तहत इस रिकत भूमि पर आने वाले समय में लाखों वृक्षों का रोपण कर घना वन विकसित किया जाएगा। यहां पर वर्षा जल को संग्रहित करने के लिए वर्तमान में मौजूद तालाब का विस्तार किया जाएगा, जिसमें बोटिंग की सुविधा भी शहरवासियों के लिए होगी, साथ ही दूसरी सुविधाएं भी यहां पर उपलब्ध करवाई जाएगी, जिससे यह आने वाले समय में शहर के लिए ऑक्सीजन जोन का कार्य करें और पक्षियों के कलरव के साथ यहां पर शहरवासी भी प्रकृति का आनंद लेने के लिए आएंगे। इस कार्य को सुनियोजित नीति बनाकर किया जा रहा है। नगर निगम के वास्तुकारों का सहयोग लिया जा रहा है। तालाब से लेकर बाकी सुविधाएं कहां पर आकार लेगी यह विशेषज्ञों की सलाह पर किया जाएगा। तालाब में नौकायान की सुविधा भी रहेगी। बुधवार को रोपे गए 21 हजार पौधों में बड़ी संख्या में फलदार वृक्षों का भी रोपण किया गया।

साधु- संतों के साथ लोगों ने किया वृक्षारोपण

मंत्री तुलसी सिलावट, विधायक मधु वर्मा, भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, ग्रामीण अध्यक्ष श्रवण चावड़ा, राजेंद्र राठौर, वीरेंद्र व्यास, रामगोपाल दास महाराज, पवन दास जी महाराज, पवनानंदजी महाराज, चैतन्य स्वरूप जी महाराज, राधे-राधे बाबा, रामचरण जी महाराज, रामायणी महाराज, हंसदास मठ, विद्याधाम और राम मंदिर पंचकुईया के बटुक बड़ी संख्या में उपस्थित थे। बटुकों के शास्त्रोक्त मंत्रोच्चार के बीच साधु-संतों और उपस्थित राजनेताओं ने वृक्षारोपण किया।

बोर्ड परीक्षा की तैयारी के लिए ऑनलाइन कक्षाओं को लेकर कलेक्टर ने शिक्षकों से किया संवाद

दृष्टि एवं श्रवण बाधितार्थ विद्यालय का निरीक्षण कर विद्यार्थियों से की चर्चा

खरगोन। कलेक्टर श्री गुरु प्रसाद ने जिले में विद्यार्थियों की शैक्षणिक गुणवत्ता एवं बोर्ड परीक्षा परिणाम बेहतर करने के उद्देश्य से विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय खरगोन में जिले के सभी स्कूलों के विद्यार्थियों के लिए विशेषकर 10वीं एवं 12वीं की कक्षाओं में गणित, विज्ञान एवं अंग्रेजी नियमित कक्षाओं के अतिरिक्त विषय विशेषज्ञ शिक्षकों के माध्यम से ऑनलाइन कक्षाएं संचालित किए जाने के संबंध में शिक्षकों से संवाद किया।



उन्होंने विद्यार्थियों को विषयवार मार्गदर्शन उपलब्ध कराने और बोर्ड परीक्षा की बेहतर तैयारी के लिए प्रभावी शैक्षणिक व्यवस्था सुनिश्चित करने पर चर्चा की। कलेक्टर श्री गुरु प्रसाद ने शासकीय दृष्टि एवं श्रवण बाधितार्थ उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खरगोन का निरीक्षण किया। उन्होंने विद्यालय में विद्यार्थियों को उपलब्ध कराई जा रही शैक्षणिक एवं अन्य सुविधाओं की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों से संवाद कर

उनकी पढ़ाई, आवश्यकताओं एवं विद्यालय में मिल रही सुविधाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की तथा शिक्षकों से भी चर्चा की। इसके पश्चात कलेक्टर ने आस्थाग्राम का निरीक्षण कर वहां संचालित व्यवस्थाओं एवं उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से आवश्यक जानकारी लेते हुए व्यवस्थाओं को बेहतर बनाए रखने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

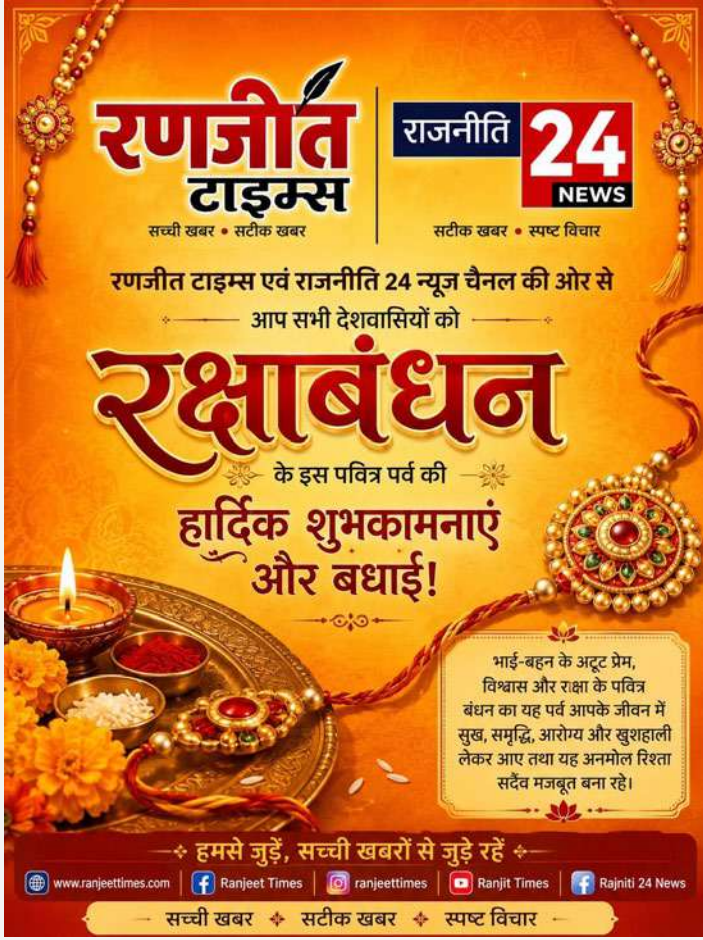
जर्जर सड़कों को लेकर आजाद समाज पार्टी और भील प्रदेश युवा मोर्चा ने सौंपा ज्ञापन

धार उमरबन। क्षेत्र की बदहाल और जर्जर सड़कों को लेकर अब जनप्रतिनिधियों और संगठनों ने प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया है। आजाद समाज पार्टी कांशीराम, उमरबन एवं भील प्रदेश युवा मोर्चा के पदाधिकारियों ने जिला कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपकर क्षेत्र की सड़कों का शीघ्र निर्माण एवं मरम्मत करवाने की मांग की। ज्ञापन में कहा गया कि क्षेत्र की कई सड़कें लंबे समय से खराब स्थिति में हैं। जगह-जगह सड़क की हालत खराब होने से आम नागरिकों के साथ-साथ विद्यार्थियों और वाहन चालकों को भी आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। खराब सड़कों के कारण दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती है। संगठनों ने प्रशासन से मांग की कि क्षेत्र की जर्जर सड़कों का जल्द से जल्द निरीक्षण कर मरम्मत एवं निर्माण कार्य शुरू कराया जाए, ताकि लोगों को सुरक्षित और सुगम आवागमन की सुविधा

मिल सके। ज्ञापन के दौरान आजाद समाज पार्टी कांशीराम, उमरबन के वरिष्ठ नेता विजय हंसराज तथा भील



प्रदेश युवा मोर्चा के प्रदेश युवा मोर्चा तहसील संयोजक, मनावर, जिला धार, आदिवासी लखन भील सहित संगठन के पदाधिकारी मौजूद रहे। अब देखने वाली बात यह है कि ज्ञापन के बाद प्रशासन सड़क की समस्या पर कब तक कार्रवाई करता है और कब तक जर्जर सड़कों की तस्वीर बदलती है।



रणजीत टाइम्स एवं राजनीति 24 न्यूज की ओर से भाई-बहन के अटूट प्रेम, विश्वास और रक्षा के पवित्र बंधन के महापर्व रक्षाबंधन की आप सभी देशवासियों को हार्दिक बधाई एवं मंगलमय शुभकामनाएँ। ईश्वर से प्रार्थना है कि यह पावन पर्व आपके परिवार में प्रेम, सुख, समृद्धि और खुशहाली लेकर आए तथा भाई-बहन का यह अनमोल रिश्ता सदैव मजबूत बना रहे।

रक्षाबंधन की हार्दिक शुभकामनाएँ।

रणजीत टाइम्स सच्ची खबर • सटीक खबर

राजनीति 24 न्यूज
सटीक खबर • स्पष्ट विचार

यूपी में चिराग पासवान की एंट्री

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 से पहले लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) ने प्रदेश में अपनी राजनीतिक जमीन मजबूत करने की तैयारी तेज कर दी है।

पार्टी के प्रदेश प्रभारी और जमुई से सांसद अरुण भारती के मुताबिक सितंबर 2026 से जनवरी 2027 तक उत्तर प्रदेश में लगातार संगठनात्मक और जनसंपर्क कार्यक्रम चलाए जाएंगे। अभियान की शुरुआत प्रयागराज से चिराग पासवान करेंगे। पार्टी ने सामाजिक समीकरण साधने के लिए 'पंडित-पासी-पासवान' यानी पी-3 फार्मूले को आगे बढ़ाने की रणनीति बनाई है। इसके साथ ही दलित चौपाल और चाणक्य चौपाल जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। पार्टी का दावा है कि इन कार्यक्रमों के जरिए अलग-अलग सामाजिक वर्गों के साथ सीधा संवाद स्थापित किया जाएगा। चिराग पासवान की रणनीति केवल जातीय समीकरण तक सीमित नहीं रहने वाली है। पार्टी युवाओं, बेरोजगारी और जेन-जी से जुड़े मुद्दों को भी अपने अभियान में प्रमुखता देने की तैयारी कर रही है। प्रयागराज में छात्रों और युवाओं के साथ संवाद कार्यक्रम भी प्रस्तावित है।

एलजेपी रामविलास उत्तर प्रदेश के लिए बिहार की तर्ज पर विजन दस्तावेज तैयार करने की भी बात कह रही है। इसमें सड़क, बिजली, पानी, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे बुनियादी मुद्दों को शामिल करने की योजना है। पार्टी इससे पहले प्रदेश की सभी 403 विधानसभा सीटों पर तैयारी की बात भी कह चुकी है, हालांकि कितनी सीटों पर वास्तव में चुनाव लड़ा जाएगा, यह आगे तय होना है। सबसे बड़ा सवाल



यह है कि चिराग का यह सामाजिक समीकरण उत्तर प्रदेश में कितना असर पैदा करता है। भाजपा, सपा, कांग्रेस और बसपा जैसे स्थापित दलों के बीच एलजेपी रामविलास को अपनी अलग राजनीतिक पहचान बनाने के लिए मजबूत संगठन और स्थानीय नेतृत्व की जरूरत होगी। सितंबर से प्रयागराज की धरती पर शुरू होने वाला यह अभियान चिराग पासवान के लिए केवल चुनावी दौरा नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश में पार्टी की वास्तविक ताकत परखने की पहली बड़ी परीक्षा माना जा रहा है।

बीकेटी के इंदौरा बाग चौकी के सामने भीषण सड़क हादसा, ट्रक की टक्कर से अनिल यादव की मौत

सर्वेश यादव

बख्शी का तालाब थाना क्षेत्र की इंदौरा बाग चौकी के सामने हुए भीषण सड़क हादसे में ट्रक की टक्कर से करीब 45 वर्षीय अनिल यादव पुत्र संतलाल की मौत रामसागर मिस सामुदायिक ले जाया गया उसके बाद डॉक्टर ने मृत्यु घोषित कर दिया हो बताया जा रहा है कि अनिल यादव महमूदाबाद, सीतापुर का रहने वाला था और चौक पर काम करते थे। हादसा इंदौरा बाग चौकी के सामने हुआ, जहां ट्रक की टक्कर लगने से अनिल यादव गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें तत्काल उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। अनिल यादव के परिवार में बेटा अंशु यादव उम्र करीब 22 वर्ष, बेटी खुशबू यादव उम्र करीब 27 वर्ष तथा उनके भाई वीरेंद्र कुमार बताए गए हैं। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी जुटाते हुए आवश्यक कार्रवाई शुरू की। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। घटना से परिवार में शोक का माहौल है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस कार्रवाई में लगी हुई है।

वार्ड 35 में गंदगी से हाहाकार, पार्षद राकेश सोलंकी से जनता ने मांगा जवाब!

राजेश धाकड़

इंदौर को स्वच्छता में लगातार नंबर-1 होने का दावा, लेकिन वार्ड 35 के रविदास नगर की ग्राउंड हकीकत इन दावों पर सवाल खड़े करती नजर आई। रविदास नगर में रहवासी लंबे समय से ड्रेनेज की गंदगी, ओवरफ्लो चैंबर और बदबूदार पानी की समस्या से परेशान होने का आरोप लगा रहे हैं। रहवासियों का कहना है कि गंदा पानी सड़कों पर आने से रोजमर्रा की जिंदगी प्रभावित है और बीमारी का खतरा भी बना हुआ है।

सबसे बड़ा सवाल—आखिर इतने समय से जिम्मेदारों ने इस समस्या का स्थायी समाधान क्यों नहीं किया? ग्राउंड रिपोर्टिंग के दौरान जब वार्ड 35 के पार्षद राकेश सोलंकी को मौके पर बुलाया गया, तो रहवासियों ने उनके सामने ही अपनी



नाराजगी जाहिर करते हुए सवालों की झड़ी लगा दी। रहवासियों की नाराजगी के बीच पार्षद से जब समस्याओं पर जवाब मांगा गया, तो उन्होंने अमृत-2 योजना का हवाला दिया। लेकिन सवाल सीधा है। जनता आज गंदगी और बदबू झेल रही है, तो

समाधान कब होगा? जिम्मेदारी कौन लेगा—पार्षद या नगर निगम?



शासकीय होलकर विज्ञान महाविद्यालय इंदौर और शिक्षण संस्थानों को आदेशित किया जाता है कि युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय खेल दिवस 2026 के अवसर पर दिनांक 27.08.2026 को देशव्यापी युवा कनेक्ट (YUVA CONNECT) कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है जिसमें डॉक्टर मेजर प्रिंसिपल अनामिका जैन मैडम और माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा वर्चुअल संबोधन किया गया है। जिसमें माननीय विधायक गोलू शुक्ला जी एवं मंत्री जिसमें तुलसी सिलावट एवं कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय एवं सांसद महोदय शंकर लालवानी जी उपस्थित रहे।

रक्षा पर्व विशेष- वैश्विक बंधुत्व का आधार है रक्षाबंधन का पर्व

येन बद्धो बलि राजा... रक्षा सूत्र का यह श्लोक सनातन संस्कृति का आधार है। जिसे उच्चारित कर रक्षा सूत्र को कलाई पर बांधा जाता है। वास्तव में सूत्र का बंधन एक रक्षा संकल्प और दायित्व का स्मरण कराना है। यह मात्र भाई बहन का नहीं वरन् समस्त मानव जाति के परस्पर पवित्र संबंधों का संकल्प पर्व है। इस रिश्ते की सीमाएं क्या है, यह त्योंहार हमारे आध्यात्मिक जीवन में क्या मायने रखता है! इसे जानने के लिए आपको “सहजयोग” से जुड़ना होगा। राखी के रेशम की डोरी का महत्व हमें तभी समझ में आयेगा जब हम पूरी तरह से उसके तत्व को जान लें। प. पू. श्री माताजी निर्मलादेवी द्वारा संचालित सहजयोग ध्यान पद्धति पूर्ण मानवजाति के लिए एक अद्वितीय देन है। सहजयोग ध्यान पद्धति से आत्मसाक्षात्कार पाने के बाद हमारे सूक्ष्म शरीर में बसे सातों चक्रों को निरंजित करते हुए,

“कुण्डलिनी शक्ति” (जो हमारी रीढ़ की हड्डी के नीचे त्रिकोणाकार अस्थि में साढ़े तीन कुंडलों में विराजमान है) ब्रह्मरंध्र को छेद कर ब्रह्मांड में फैली हुई परमेश्वर शक्ति से एकाकार होती है। हमारे सात चक्रों में से पांचवे चक्र को “विशुद्धि चक्र” (कंठ का भाग) कहते हैं। इसी चक्र के बाईं ओर “बहन और भाई के पवित्र रिश्ते का तत्व है”। यह तत्व भगवान श्री कृष्ण और उनकी बहन विष्णुमाया के पवित्र संबंधों का भी प्रतीक है। श्री माताजी के अनुसार, भारत



में भाई-बहन संबंध अत्यन्त महत्वपूर्ण हैं सहजयोगियों में भी ऐसा ही होना चाहिए। हमारे यहाँ रक्षाबंधन तथा भाई दूज होता है जिसमें हम भाई को राखी बाँधते हैं। यह राखी विष्णुमाया की शक्ति है जो भाई की रक्षा करती है। समआयु, एक सी सूझ-बूझ, सुरक्षा, प्रेम और पवित्रता के कारण भाई बहन के संबन्ध अत्यन्त महत्वपूर्ण है। इस संबंध को विष्णुमाया चलती है। (प. पू. श्रीमाताजी, 19-9-92,) राखी का मतलब है रक्षा करने वाली पवित्र शक्ति

इस शक्ति का बंधन बहुत ही जोरदार है और अत्यन्त कोमल भी क्योंकि यह बहन के प्यार की निशानी है, जिसे एक बार राखी बाँधी वहाँ फिर निर्मल रक्षा का स्थान स्थापित किया है। यह परम्परा है। अब मुनष्य की संवेदन क्षमता इतनी कम हो गई है। कि राखी बाँधना एक यांत्रिक क्रिया हो गई है, जहाँ श्रद्धा की गरिमा नहीं वहाँ सारी सुंदर मानवी परम्पराएं बेजान हो जाती हैं। रक्षाबन्धन बहुत महत्वपूर्ण दिन है। उस दिन परिपूर्णता की माँग करनी चाहिए। बड़ी-बड़ी योजनाएँ बनानी चाहिए। अपना लक्ष्य हमेशा ऊँची बातों पर रखना चाहिए। जब हर व्यक्ति एक आदर्श बहन या भाई बनेगा तो “वैश्विक भाईचारे की नींव बनेगी और विश्वशांति के लिए प्रेरणादायी साबित होगा। नजदीकी सहजयोग ध्यान केंद्र की जानकारी टोल फ्री नंबर- 1800 2700 800 या वेबसाइट- www.sahajayoga.org.in से प्राप्त करें।

मेरे मरने के बाद की दुनिया

बच्चे बड़े हो गए,
अपनी-अपनी दुनिया में खो गए,
जिनकी छोटी-सी उँगली पकड़कर
मैंने चलना सिखाया था,
आज उन्हीं के घर की एक दीवार पर
मेरी तस्वीर धूल खाती रह गई।

फिर किसी ने एक दिन कह दिया
“गुजर चुके लोगों की तस्वीर
घर में नहीं लगानी चाहिए,
अशुभ होता है...”

और मेरी तस्वीर उतार दी गई।

उस दिन शायद
मेरी तस्वीर दीवार से नहीं उतरी थी,
मैं उस घर से दूसरी बार निकाला गया था।

जिस घर की एक-एक ईंट के लिए
मैंने अपना पसीना बहाया,
जिस परिवार की खुशियों के लिए
अपनी कितनी इच्छाएँ दबाई,
जिसके बच्चों की फीस भरने के लिए
मैंने अपने शौक छोड़ दिए,
जिसकी छत बचाने के लिए
मैं खुद धूप में जलता रहा

आज उसी घर के लिए
मैं अशुभ हो गया था।

जीते-जी मैं सोचता था
“मेरे बिना इनका क्या होगा?”

रात को नींद नहीं आती थी,
बच्चों का भविष्य सोचता था,
परिवार की चिंता करता था,
कल पैसा कहाँ से आएगा,
बच्चे कैसे आगे बढ़ेंगे,
घर कैसे चलेगा...

मैं हर किसी के कल के लिए जीता रहा,
बस अपना आज जीना भूल गया।

और आज...
मेरे बिना भी सुबह होती है,
चाय बनती है,

दरवाजे खुलते हैं,
त्योहार आते हैं,
हँसी गुँजती है,
शादियाँ होती हैं,
बच्चे घूमने जाते हैं,
तस्वीरें खिंचती हैं...

दुनिया बिल्कुल वैसी ही चल रही है।

मैं ही बेवजह डरता रहा
“मेरे बाद क्या होगा?”

कुछ नहीं हुआ।

बस एक आदमी कम हो गया,
और कुछ दिनों बाद
उसकी कमी की आदत भी पड़ गई।

अब साल में शायद
मेरी पुण्यतिथि पर
मोबाइल की गैलरी से मेरी
कोई पुरानी तस्वीर निकलेगी।

फेसबुक पर लिखा जाएगा
“भावपूर्ण श्रद्धांजलि...
आप हमेशा हमारी यादों में रहेंगे।”

कुछ लोग हाथ जोड़ने वाला निशान भेजेंगे,
कुछ लिखेंगे
“शत्-शत् नमन।”

और अगले दिन
नई पोस्ट के नीचे
मेरी तस्वीर कहीं पीछे छूट जाएगी।

तब मुझे समझ आया

जिस परिवार के लिए
मैंने पूरी जिंदगी खर्च कर दी,
वह परिवार मेरे बिना भी जीना सीख गया।
गलती उनकी नहीं थी,

यही शायद दुनिया का नियम है।

लोग चले जाते हैं,
पीछे रहने वाले जीना सीख जाते हैं।

लेकिन एक सवाल
मेरी आत्मा से बार-बार पूछता है

जब सबको मेरे बिना जीना ही था,
तो मैंने अपने साथ जीना क्यों नहीं सीखा?

क्यों हर इच्छा को यह कहकर टाल दिया
“अभी बच्चे छोटे हैं...”

क्यों हर सपना यह कहकर छोड़ दिया
“पहले परिवार संभल जाए...”

क्यों हर यात्रा टाल दी,
हर खुशी बचाकर रखी,
हर शौक मार दिया
और हर बार जिंदगी से कहा

“अभी नहीं... बाद में।”

आज समझ आया...

वह “बाद में” कभी आया ही नहीं।

जिंदगी जिम्मेदारियाँ पूरी करते-करते
चुपचाप पूरी हो गई।

अब भगवान के सामने खड़ा हूँ
तो धन नहीं माँगता,
बड़ा घर नहीं माँगता,
नाम नहीं माँगता,
लंबी उम्र भी नहीं माँगता।

बस एक छोटी-सी विनती है
हे भगवान,
अगर दूसरा जन्म देना,
तो मुझे फिर वही अपने देना,

वही बच्चे देना,
वही परिवार देना...

लेकिन इस बार
मुझे थोड़ा-सा “मैं” भी देना।

इस बार मैं उनके लिए भी जिऊँगा,
मगर अपने लिए भी जिऊँगा।

बच्चों का भविष्य बनाऊँगा,
मगर अपना वर्तमान नहीं मिटाऊँगा।

जिम्मेदारियाँ निभाऊँगा,
मगर जिंदगी को
जिम्मेदारियों की सजा नहीं बनने दूँगा।

क्योंकि अब समझ आया है

मेरे मरने से दुनिया नहीं रुकेगी,
लेकिन मेरे जीते-जी
अगर मैं खुद के लिए नहीं जिया,
तो मेरी अपनी दुनिया
एक दिन जरूर अधूरी रह जाएगी।

और शायद इंसान की सबसे बड़ी भूल यही है

वह सारी उम्र यह सोचता रहता है
कि “मेरे बिना अपनों का क्या होगा?”
मगर कभी यह नहीं सोचता
“अपनों के लिए जीते-जीते
मेरे अंदर जो ‘मैं’ मर रहा है,
उसका क्या होगा?”

गोपाल गावंडे की कलम से



धनपुरी में अकीदत के साथ मनाया गया ईद मिलादुन्नबी, नूरी मस्जिद से निकला जुलूस

इमामबाड़ा में टैक्सी यूनियन ने कराया आम लंगर, जगह-जगह हुआ स्वागत

साहिल खान

धनपुरी। ईद मिलादुन्नबी का पर्व धनपुरी में बड़े ही अकीदत और उत्साह के साथ मनाया गया। इस मौके पर नूरी मस्जिद धनपुरी से जुलूस निकाला गया। जुलूस निर्धारित समय पर रवाना हुआ और पहले से तय किए गए रूट के मुताबिक शहर के अलग-अलग इलाकों से होते हुए इमामबाड़ा पहुंचा। जुलूस में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए।

रास्तेभर लोगों ने जुलूस का स्वागत किया और कई जगह लंगर का इंतजाम भी किया गया। जुलूस के दौरान विलियस नंबर-2 में भी शानदार व्यवस्था देखने को मिली। यहां स्थानीय लोगों की ओर से लंगर का इंतजाम किया गया, जहां जुलूस में शामिल लोगों को भोजन और पानी उपलब्ध कराया गया। जगह-जगह हुए स्वागत से पूरे इलाके में भाईचारे और सौहार्द का माहौल नजर आया। इमामबाड़ा पहुंचने के बाद भी लंगर का



सिलसिला जारी रहा। टैक्सी यूनियन की ओर से शाम के समय आम लंगर का आयोजन किया गया। टैक्सी यूनियन से जुड़े इरशाद खान, विजय पाठक और संजू राय सहित अन्य लोगों ने लंगर की व्यवस्था में सहयोग किया। शाम को बड़ी संख्या में लोगों ने लंगर में पहुंचकर भोजन ग्रहण किया। नूरी मस्जिद के सदर शाहनवाज अंसारी ने ईद मिलादुन्नबी की मुबारकबाद देते हुए कहा कि यह दिन हमें मोहब्बत, इंसानियत और भाईचारे का संदेश देता है। उन्होंने आयोजन को सफल बनाने में सहयोग करने वाले सभी लोगों का शुक्रिया अदा किया। ईद मिलादुन्नबी के मौके पर धनपुरी में निकाला गया जुलूस शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ। पूरे आयोजन के दौरान लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला और शहर में आपसी भाईचारे एवं सौहार्द की मिसाल नजर आई।

शासकीय महाविद्यालयों की दुर्दशा पर अभावपि का प्रदेशव्यापी 'विद्यार्थी हुंकार अभियान'

सुशबू श्रीवास्तव

मूलभूत सुविधाओं की मांग को लेकर उच्च शिक्षा मंत्री के नाम कलेक्टर को सौंपा गया ज्ञापन

शासकीय महाविद्यालयों में विद्यार्थियों की मूलभूत सुविधाओं की मांग को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा आज "विद्यार्थी हुंकार अभियान" के अंतर्गत प्रदेशव्यापी प्रदर्शन किया गया। प्रदेश के विभिन्न जिलों में अभावपि के कार्यकर्ताओं एवं विद्यार्थियों ने प्रदर्शन कर जिला कलेक्टरों के माध्यम से उच्च शिक्षा मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा और शासकीय महाविद्यालयों में व्याप्त मूलभूत समस्याओं के शीघ्र निराकरण की मांग की। उसी क्रम में आज इंदौर जिले में भी सैकड़ों की संख्या में विद्यार्थियों ने मार्च निकालकर कलेक्टर के बाहर प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा। अभावपि ने कहा कि प्रदेश के अनेक शासकीय महाविद्यालयों में विद्यार्थी स्वच्छ पेयजल, पर्याप्त एवं स्वच्छ शौचालय, व्यवस्थित कक्षाओं, पर्याप्त फर्नीचर, बिजली एवं प्रकाश व्यवस्था, पुस्तकालय, प्रयोगशालाओं, खेल सुविधाओं, छात्राओं के लिए आवश्यक सुविधाओं, इंटरनेट, पार्किंग, सुरक्षा एवं प्राथमिक उपचार जैसी बुनियादी सुविधाओं के अभाव का सामना कर रहे हैं। विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने के लिए इन समस्याओं का तत्काल समाधान आवश्यक है। अभावपि ने ज्ञापन के माध्यम से मांग की कि सरकार प्रदेश के सभी शासकीय महाविद्यालयों में मूलभूत सुविधाओं



की स्थिति का तत्काल सर्वे कराते हुए ठोस आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करे एवं उन व्यवस्थाओं को सुचारू किया जाए तथा जिन कार्यों के लिए बजट की आवश्यकता है, उनके लिए समयबद्ध कार्ययोजना तैयार कर आवश्यक बजट उपलब्ध कराया जाए।

मालवा प्रान्त मंत्री श्री दर्शन ने कहा कि -महाविद्यालय शिक्षा का मंदिर है लेकिन वहां की स्थिति दयनीय है विद्यार्थियों को मिलने वाली मूलभूत सुविधा भी नहीं मिल पा रही विद्यार्थी हुंकार के माध्यम से सरकार को अवगत कराना चाहते हैं गुणवत्ता युक्त शिक्षा

एवं स्वस्थ परिषर के लिए सरकार ध्यान दे एवं विद्यार्थियों की मूलभूत सुविधाएं त्वरितता से उपलब्ध कराएं। अभावपि के इंदौर महानगर मंत्री श्री देवेश गुर्जर ने कहा कि महाविद्यालयों में विद्यार्थियों को आज भी पेयजल, शौचालय, बेंच-डेस्क और सुरक्षा जैसी मूलभूत सुविधाओं का अभाव है। पुस्तकालय, प्रयोगशाला, खेल, इंटरनेट और कैंटीन जैसी व्यवस्थाएं भी दुरुस्त की जाएं। छात्राओं के लिए सुरक्षित शौचालय व कॉमन रूम, दिव्यांगों के लिए रैंप और 'विवेकानंद करियर गाइडेंस सेल' को पुनः शुरू किया जाए।

महिलाओं के सम्मान को लेकर सभी समाज के लोगों ने एसडीएम को सौंपा आवेदन

महेंद्र मिश्रा- करेरा। सभी समाज के लोगों का करेरा में आक्रोश देखने को मिला। समाज के लोगों ने नारी सम्मान और महिलाओं की गरिमा को लेकर आज एसडीएम महोदय को आवेदन सौंपते हुए बेसौरा निवासी आजाद लोधी द्वारा महिलाओं के बारे में बहुत ही अपशब्द बातें कहीं गईं इसी कारण सभी समाज के लोगों ने तहसील कार्यालय में इकट्ठे होकर एसडीएम महोदय को ज्ञापन सौंपा और आजाद लोधी पर कठोर से कठोर उचित एवं आवश्यक कार्रवाई की मांग की।

ददर गांव खाल्हे टोला ग्राम पंचायत डुलहरी जनपद पंचायत मेंहदवानी के ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री जन विश्वास कार्यक्रम के दौरान सीसी रोड बनवाने दिया आवेदन



डिंडोरी। ग्राम ददर गांव खाल्हे टोला ग्राम पंचायत डुलहरी जनपद पंचायत मेंहदवानी के ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री जन विश्वास कार्यक्रम के दौरान आवेदन देते हुई बताया कि मुख्य मार्ग से खाल्हे टोला तक जाने वाला मार्ग अत्यंत खराब स्थिति में है। मार्ग पर जगह-जगह गड्ढे एवं कीचड़ होने के कारण ग्रामीणों, विद्यार्थियों, किसानों तथा अन्य राहगीरों

को अवागमन में काफी कठिनाईयो का सामना करना पड़ता है। बरसात के समय में स्थिति और भी गंभीर हो जाती है। उक्त मार्ग ग्रामीणों के आवागमन के लिए महत्वपूर्ण है इस मार्ग के निर्माण से आस-पास के ग्रामीणों को आवागमन की सुविधा मिलेगी तथा कृषि कार्य शिक्षा, स्वास्थ्य एवं अन्य आवश्यक कार्यों में सुविधा होगी।

ठंडा पानी पीने से होता है जुकाम? डॉक्टरों के मुताबिक समझिए पूरा सच

रणजीत टाइम्स

ranjeettimes.com

नई दिल्ली। बारिश और मौसम बदलने के साथ भारतीय घरों में एक सलाह अक्सर सुनने को मिलती है—“ठंडा पानी मत पीना, जुकाम हो जाएगा।” कई परिवार बरसात में फ्रिज का पानी तक बंद कर देते हैं। लेकिन क्या वास्तव में ठंडा पानी जुकाम का कारण बनता है? चिकित्सकीय तौर पर सिर्फ ठंडा पानी पीने से जुकाम होना सही नहीं माना जाता। सामान्य सर्दी-जुकाम मुख्य रूप से वायरस के कारण होता है। संक्रमित व्यक्ति के खांसने-छींकने, हाथों के संपर्क या दूषित सतहों के जरिए वायरस शरीर तक पहुंच सकता है। यानी जुकाम का मूल कारण ठंडा पानी नहीं, बल्कि संक्रमण है। फिर ठंडा पानी पीने के बाद कुछ लोगों को गले में परेशानी क्यों महसूस होती है? इसका कारण अलग हो सकता है। बहुत ठंडा पानी कुछ



लोगों में गले की संवेदनशीलता बढ़ा सकता है

और पहले से मौजूद गले की खराश या खांसी को अस्थायी रूप से अधिक महसूस करा सकता है। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि पानी ने वायरस पैदा कर दिया। मौसम बदलने पर संक्रमण फैलने की परिस्थितियां जरूर बदल सकती हैं। बारिश के दौरान लोग अधिक समय बंद या भीड़भाड़ वाली जगहों पर बिताते हैं, जिससे वायरस एक व्यक्ति से दूसरे तक पहुंच सकता है। इसलिए स्वस्थ व्यक्ति के लिए सामान्य मात्रा में ठंडा पानी पीना अपने आप में जुकाम की वजह नहीं है। हां, यदि ठंडा पानी पीने से आपको गले में असहजता होती है तो कमरे के तापमान वाला या हल्का गुनगुना पानी लेना बेहतर महसूस हो सकता है।

निष्कर्ष: जुकाम से बचने के लिए केवल फ्रिज का पानी छोड़ना पर्याप्त नहीं। हाथों की सफाई, संक्रमित व्यक्ति से उचित दूरी और अच्छी नींद जैसी आदतें ज्यादा महत्वपूर्ण हैं।

तीन जड़ी-बूटियों से सफेद बाल होंगे काले? दावा जानिए, सच भी समझिए



रणजीत टाइम्स

ranjeettimes.com

नई दिल्ली। सफेद बालों को दोबारा काला करने के लिए लोग अक्सर घरेलू और आयुर्वेदिक उपाय तलाशते हैं। इसी बीच आयुर्वेदिक चिकित्सक डॉ. सलीम जैदी ने कुछ जड़ी-बूटियों के इस्तेमाल का सुझाव दिया है, जिनके बारे में दावा किया जाता है कि वे बालों की देखभाल और वृद्धि में मदद कर सकती हैं। हालांकि, यह कहना कि इनका तीन महीने इस्तेमाल करने से हर सफेद बाल निश्चित रूप से काला हो जाएगा, वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित दावा नहीं है। ऐसे घरेलू उपायों में अक्सर आंवला, भृंगराज और करी पत्ता जैसे पौधों का उल्लेख किया जाता है। आंवला पारंपरिक रूप से बालों की देखभाल में इस्तेमाल होता रहा है। भृंगराज का भी आयुर्वेद में बालों से जुड़ी तैयारियों में प्रयोग मिलता है। करी पत्ते को भी कई घरेलू नुस्खों में शामिल किया जाता है।

लेकिन यहां एक महत्वपूर्ण अंतर समझना जरूरी है—बालों की गुणवत्ता और वृद्धि में संभावित मदद करना अलग बात है और सफेद हो चुके बालों को फिर से काला कर देना अलग। उम्र या आनुवंशिक कारणों से सफेद हुए बालों को प्राकृतिक रूप से स्थायी रूप से काला करने के इन उपायों के पक्ष में मजबूत चिकित्सकीय प्रमाण उपलब्ध नहीं हैं। यदि कम उम्र में तेजी से बाल सफेद हो रहे हों, बाल असामान्य रूप से झड़ रहे हों या सिर की त्वचा में खुजली, लालिमा अथवा घाव हों तो त्वचा रोग विशेषज्ञ से सलाह लेना बेहतर है। पोषण की कमी या अन्य कारणों की जांच भी जरूरत के अनुसार की जा सकती है।

निष्कर्ष: आंवला, भृंगराज या करी पत्ता बालों की देखभाल का हिस्सा हो सकते हैं, लेकिन इन्हें सफेद बालों को निश्चित रूप से काला करने की गारंटी के रूप में इस्तेमाल करना उचित नहीं है।

सोने से एक घंटा पहले फोन बंद करें, शरीर को मिल सकते हैं ये फायदे

रणजीत टाइम्स

ranjeettimes.com

नई दिल्ली। रात में बिस्तर पर जाने के बाद भी फोन देखते रहना आज बहुत आम आदत बन चुकी है। वीडियो, रील्स, संदेश और लगातार आने



सोने का वक्त... लेकिन नजरें फोन पर!

वाले नोटिफिकेशन दिमाग को सक्रिय बनाए रखते हैं। ऐसे में सोने से करीब एक घंटा पहले फोन को अलग रख देना नींद की गुणवत्ता सुधारने में मदद कर सकता है। सबसे बड़ा फायदा नींद की तैयारी को मिल सकता है। फोन की स्क्रीन से निकलने वाली रोशनी, खासकर नीली रोशनी, शरीर की जैविक घड़ी को प्रभावित कर सकती है।

रात में तेज स्क्रीन देखने से नींद लाने वाले हार्मोन मेलाटोनिन के सामान्य स्तर में बाधा पड़ सकती है। फोन दूर रखने से दिमाग को धीरे-धीरे आराम की स्थिति में जाने का मौका मिलता है।

दूसरा असर दिमागी तनाव और मानसिक उत्तेजना पर पड़ सकता है। सोने से ठीक पहले लगातार समाचार, सोशल मीडिया या काम से जुड़े संदेश देखने से दिमाग में विचारों का सिलसिला चलता रहता है। फोन से दूरी इस उत्तेजना को कम करने में मदद कर सकती है। इसका फायदा केवल रात तक सीमित नहीं रहता। बेहतर नींद से अगले दिन एकाग्रता, मनोदशा और ऊर्जा बेहतर महसूस हो सकती है। विशेषज्ञ आम तौर पर सोने से पहले स्क्रीन का इस्तेमाल कम करने और नियमित नींद की दिनचर्या अपनाने की सलाह देते हैं। हालांकि केवल फोन बंद करना ही हर व्यक्ति की नींद की समस्या का समाधान नहीं है। छोटा बदलाव: सोने से एक घंटा पहले फोन को बिस्तर से दूर रखें। उसकी जगह किताब पढ़ें, हल्का संगीत सुनें या कुछ देर शांत बैठें। शरीर को संकेत मिलेगा कि अब जागने नहीं, आराम करने का समय है।

मानसून में चेहरे के लिए चावल का पानी: ऐसे करें इस्तेमाल, इन बातों का रखें ध्यान

रणजीत टाइम्स

ranjeettimes.com

नई दिल्ली। मानसून में उमस और नमी के कारण त्वचा तैलीय, चिपचिपी या संवेदनशील हो सकती है। ऐसे में कई लोग घरेलू नुस्खों की ओर रुख करते हैं। चावल का पानी भी ऐसा ही एक उपाय है, जिसका इस्तेमाल त्वचा की देखभाल के लिए किया जाता है। हालांकि इसे किसी चिकित्सकीय उपचार का विकल्प नहीं माना जाना चाहिए। चावल का पानी बनाने के लिए पहले चावल को साफ पानी से अच्छी तरह धो लें। इसके बाद चावल को साफ पानी में करीब 20 से 30 मिनट भिगोकर रखें और पानी को छान लें। इसे चेहरे पर लगाने से पहले त्वचा को हल्के फेसवॉश से साफ करना बेहतर है। रूई या साफ हाथों की मदद से चावल का पानी चेहरे पर हल्के हाथों से लगाया जा सकता है। इसे करीब 10 से 15 मिनट तक छोड़ने के बाद सामान्य पानी से चेहरा धो लें। शुरुआत में सप्ताह में दो-तीन बार इस्तेमाल करना पर्याप्त हो सकता है।

सिर्फ धागा नहीं, बदलता फैशन: हर दौर में बदली राखी की डिजाइन

रणजीत टाइम्स

ranjeettimes.com

नई दिल्ली। रक्षाबंधन की पहचान भले ही भाई की कलाई पर बंधने वाले रक्षा सूत्र से हो, लेकिन समय के साथ राखी का रूप तेजी से बदल गया है। कभी साधारण सूती या रेशमी धागे से बनी राखी आज मोती, रुद्राक्ष, चांदी, कुंदन और व्यक्तिगत नामों वाली डिजाइन से लेकर कलाई पर पहनने वाले ब्रेसलेट के रूप में बाजार में दिखाई दे रही है। परंपरागत रूप में राखी का महत्व उसकी सजावट से ज्यादा उसके भाव में रहा है। भारतीय संस्कृति में इसे भाई-बहन के स्नेह, शुभकामना और रक्षा के प्रतीक

के रूप में देखा जाता है। बदलते दौर में पहले रंगीन धागों और छोटी सजावट ने जगह बनाई। इसके बाद मोती, चमकीले पत्थर, धार्मिक प्रतीक और रुद्राक्ष जैसी चीजें राखी का हिस्सा बनीं। बच्चों के लिए कार्टून पात्रों और खिलौना आधारित राखियां लोकप्रिय हुईं। अब युवाओं के बीच ऐसी राखियां भी पसंद की जा रही हैं जो देखने में कलाई-बैंड या आभूषण जैसी लगती हैं। 2026 में व्यक्तिगत डिजाइन और हस्तनिर्मित राखियों का चलन भी दिखाई दे रहा है। बाजार में नाम या खास संदेश वाली राखियां, चांदी से बनी राखियां और पर्यावरण के अनुकूल हस्तनिर्मित विकल्प चर्चा में हैं।

नई ट्रेंडल थेरेपी: जहां नेटवर्क नहीं, वहां सुकून है

रणजीत टाइम्स

ranjeettimes.com

लगातार रील्स देखना, हर कुछ मिनट में फोन की स्क्रीन जांचना और नोटिफिकेशन का इंतजार करना आज रोजमर्रा की आदत बन चुका है। यही वजह है कि अब यात्रा का एक नया चलन सामने आया है—डिजिटल डिटॉक्स। यानी कुछ दिनों के लिए फोन, इंटरनेट और सोशल मीडिया से दूरी बनाकर प्रकृति के बीच समय बिताना। भारत में कई ऐसी जगहें हैं जहां मोबाइल संपर्क सीमित है। यहां पहुंचकर फोन अपने-आप शांत हो जाता है और इंसान का ध्यान आसपास की प्रकृति, लोगों और खुद की तरफ लौटता है। हालांकि किसी भी स्थान पर नेटवर्क की स्थिति मौसम, क्षेत्र और सेवा प्रदाता के अनुसार बदल सकती है।



तीर्थन घाटी, हिमाचल प्रदेश—नदियों, जंगलों और छोटे गांवों के बीच बसी यह घाटी शांति चाहने वालों के लिए शानदार विकल्प है। कई हिस्सों में मोबाइल संपर्क कमजोर रहता है।

जीरो घाटी, अरुणाचल प्रदेश—धान के खेत, देवदार के जंगल और पहाड़ों के बीच यहां का ग्रामीण जीवन डिजिटल दुनिया से दूरी बनाने का मौका देता है।

एसबीआई से भी बड़े बैंक बनाने की तैयारी? सरकारी बैंकों के विलय पर फिर उठी बहस

रणजीत टाइम्स

ranjeettimes.com

नई दिल्ली। देश के सरकारी बैंकों के मजबूत होते वित्तीय प्रदर्शन के बीच बैंकिंग क्षेत्र में बड़े बदलाव की चर्चा फिर तेज हो गई है। प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद से जुड़े एक अध्ययन में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के विलय का सुझाव दिया गया है। मकसद ऐसे बड़े बैंक तैयार करना है जो भारतीय अर्थव्यवस्था की बढ़ती जरूरतों के साथ वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा कर सकें। पिछले कुछ वर्षों में सरकारी बैंकों की वित्तीय स्थिति में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। खराब कर्ज यानी गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों में कमी, वसूली में सुधार और मुनाफे में बढ़ोतरी ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को पहले के मुकाबले मजबूत स्थिति में पहुंचाया है।



ऐसे समय में सवाल यह है कि क्या छोटे और मध्यम आकार के सरकारी बैंकों को मिलाकर कुछ बड़े बैंक बनाए जाएं। समर्थकों का तर्क है कि बड़े बैंक अधिक पूंजी जुटा सकते हैं, बड़े बुनियादी ढांचा और औद्योगिक प्रोजेक्ट को वित्त दे सकते हैं तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर

भारतीय बैंकिंग की पहुंच बढ़ा सकते हैं। भारत में इससे पहले भी सरकारी बैंकों का विलय हो चुका है। कई बैंकों को मिलाकर बड़े बैंक बनाए गए और भारतीय स्टेट बैंक के सहयोगी बैंकों का भी एकीकरण हुआ। इन कदमों के बाद देश के सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकिंग ढांचे में बड़ा बदलाव आया। लेकिन विलय अपने आप में आसान समाधान नहीं है। अलग-अलग बैंकों की तकनीकी व्यवस्था, शाखा नेटवर्क, कर्मचारियों की सेवा शर्तें, प्रबंधन संस्कृति और कर्ज खातों का एकीकरण बड़ी चुनौती हो सकता है। बड़े बैंक बनने के साथ “बहुत बड़ा तो जोखिम से परे” जैसी स्थिति भी पैदा नहीं होनी चाहिए। फिलहाल इसे तत्काल विलय की घोषणा नहीं, बल्कि बैंकिंग क्षेत्र को लेकर नीति बहस के रूप में देखना चाहिए।

यदि सरकार आगे बढ़ती है तो सवाल केवल यह नहीं होगा कि बैंक कितने बड़े बनें, बल्कि यह भी होगा कि बड़े बैंक आम ग्राहक, छोटे कारोबार और अर्थव्यवस्था के लिए कितने उपयोगी साबित होते हैं।

करोड़पति निवेशकों की दौलत ने बनाया रिकॉर्ड, एनएसई शेयरों में हिस्सेदारी 10 लाख करोड़ के करीब

रणजीत टाइम्स

ranjeettimes.com

नई दिल्ली। भारतीय शेयर बाजार में बड़े और संपन्न निवेशकों का भरोसा लगातार मजबूत होता दिखाई दे रहा है। जून तिमाही के अंत तक एनएसई में सूचीबद्ध कंपनियों में उच्च निवल संपत्ति वाले निवेशकों यानी एचएनआई की हिस्सेदारी का मूल्य रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच गया। उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक जून के अंत में एनएसई में सूचीबद्ध शेयरों में एचएनआई की हिस्सेदारी का मूल्य करीब 9.92 लाख करोड़ रुपये हो गया। मार्च तिमाही की तुलना में इसमें लगभग 1.83 लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। तिमाही आधार पर यह वृद्धि करीब 22.55 प्रतिशत बताई गई है।

इस उछाल का एक कारण शेयर बाजार में कई कंपनियों के शेयरों में आई तेजी भी हो सकता है। जब किसी कंपनी के शेयर का बाजार मूल्य बढ़ता है तो उसमें पहले से निवेश रखने वाले बड़े निवेशकों की कुल संपत्ति का मूल्य भी बढ़ जाता है।

इसके अलावा कुछ एचएनआई निवेशकों ने अपनी हिस्सेदारी बढ़ाई हो तो उसका भी असर आंकड़ों पर पड़ सकता है। एचएनआई की बढ़ती हिस्सेदारी बाजार के लिए एक महत्वपूर्ण संकेत मानी जाती है, क्योंकि यह वर्ग आम तौर पर बड़ी पूंजी के साथ निवेश करता है और अलग-अलग क्षेत्रों में अवसर तलाशता है। हालांकि इसका अर्थ यह नहीं कि हर बड़े निवेशक को मुनाफा हुआ है या आगे भी शेयर बाजार में तेजी निश्चित है।

निवेशकों के लिए यह आंकड़ा इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि बड़ी रकम वाले निवेशकों की गतिविधियां कई कंपनियों के शेयरों में मांग और धारणा को प्रभावित कर सकती हैं। लेकिन छोटे निवेशकों को केवल एचएनआई की खरीद या हिस्सेदारी देखकर निवेश का निर्णय लेने के बजाय कंपनी के कारोबार, मूल्यांकन, कर्ज और जोखिम को भी देखना चाहिए। रिकॉर्ड संपत्ति बाजार की ताकत दिखाती है, लेकिन शेयर बाजार में मुनाफे की कोई गारंटी नहीं होती।

रिलायंस के साथ साझेदारी का असर? डिज्नी का घाटा घटकर 4.4 करोड़ डॉलर

रणजीत टाइम्स

ranjeettimes.com

नई दिल्ली। रिलायंस इंडस्ट्रीज के साथ संयुक्त उद्यम बनने के बाद भारत में डिज्नी के कारोबार की तस्वीर बदलती दिखाई दे रही है। जून तिमाही में वॉल्ट डिज्नी की भारत संबंधी मनोरंजन इकाई का घाटा घटकर करीब 4.4 करोड़ डॉलर रह गया। यह पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले उल्लेखनीय सुधार है। रिलायंस इंडस्ट्रीज और वॉल्ट डिज्नी ने भारत में अपने मीडिया कारोबार को मिलाकर ‘जियोस्टार’ नाम का संयुक्त उद्यम बनाया है। इस साझेदारी के तहत मनोरंजन सामग्री, खेल प्रसारण और डिजिटल मंचों को एक साथ लाने की कोशिश की गई है। क्रिकेट अधिकारों और डिजिटल दर्शकों के बड़े भारतीय बाजार को देखते हुए इस सौदे को दोनों कंपनियों के लिए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना गया।

डिज्नी के लिए भारत लंबे समय से विशाल दर्शक बाजार होने के बावजूद चुनौतीपूर्ण क्षेत्र रहा है। खेल प्रसारण अधिकारों की ऊंची लागत, डिजिटल क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा और विज्ञापन बाजार में उतार-चढ़ाव ने कारोबार पर दबाव बनाया था। संयुक्त उद्यम के बाद लागत और संसाधनों को बेहतर तरीके से इस्तेमाल करने की संभावना बढ़ी है। हालांकि केवल एक तिमाही के आंकड़ों के आधार पर यह निष्कर्ष निकालना जल्दबाजी होगी कि रिलायंस साझेदारी ही घाटा घटने की पूरी वजह है।

भारत-जापान आर्थिक साझेदारी को नई रफ्तार, 67 अरब डॉलर निवेश लक्ष्य पर जोर

रणजीत टाइम्स

ranjeettimes.com

नई दिल्ली। भारत और जापान के बीच आर्थिक रिश्तों को नई ऊंचाई देने की कोशिश तेज हो गई है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की जापान यात्रा के दौरान निवेश, व्यापार, विनिर्माण और अत्याधुनिक तकनीक से जुड़े क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया गया है। जापान ने अगले दशक में भारत में करीब 10 लाख करोड़ येन यानी लगभग 67 अरब डॉलर के निजी क्षेत्र के निवेश का लक्ष्य रखा है। यह लक्ष्य 2025-2035 की अवधि के लिए तय किया गया है। भारत अब जापानी कंपनियों की संख्या भी तेजी से बढ़ाना चाहता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत में सक्रिय जापानी कंपनियों की संख्या करीब 1,500 से बढ़ाकर 3,000 करने का लक्ष्य रखा है। पीयूष



गोयल ने जापानी उद्योग जगत से भारत में

निवेश और स्थानीय विनिर्माण बढ़ाने की अपील की है। दोनों देशों की नजर अब केवल पारंपरिक वाहन और इंजीनियरिंग क्षेत्र तक सीमित नहीं है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, अर्धचालक, महत्वपूर्ण खनिज, बैटरी, ऊर्जा और अगली पीढ़ी की गतिशीलता जैसे क्षेत्रों में निवेश बढ़ाने की संभावना है। गोयल ने जापानी कंपनियों से भारत में अनुसंधान एवं विकास केंद्र, वैश्विक क्षमता केंद्र और नई विनिर्माण इकाइयां स्थापित करने को कहा है। भारत-जापान द्विपक्षीय व्यापार वित्त वर्ष 2025-26 में करीब 27.5 अरब डॉलर रहा। जापान भारत के प्रमुख प्रत्यक्ष विदेशी निवेश स्रोतों में पांचवें स्थान पर है। गोयल ने जापान के साथ मौजूदा व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते को और आधुनिक बनाने तथा उसके दायरे का विस्तार करने की भारत की इच्छा भी जताई है। ऐसे में आने वाले वर्षों में जापान भारत के विनिर्माण और तकनीकी विकास का एक और महत्वपूर्ण साझेदार बन सकता है।

त्योहारों से पहले चीनी का हिसाब पूरा करने का दबाव, कंपनियों-हलवाईयों को राहत नहीं

रणजीत टाइम्स

ranjeettimes.com

नई दिल्ली। त्योहारों का मौसम शुरू होने से पहले चीनी का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल करने वाले कारोबारियों और कंपनियों के लिए सरकार ने राहत का रास्ता बंद कर दिया है।

अतिरिक्त चीनी स्टॉक बेचने के लिए तय समय सीमा बढ़ाने की मांग को स्वीकार नहीं किया गया है। संबंधित कारोबारियों को 31 अगस्त तक अतिरिक्त



स्टॉक का निपटान करना होगा। सरकार का यह कदम चीनी की उपलब्धता और बाजार में कीमतों

पर नियंत्रण बनाए रखने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। त्योहारों के दौरान मिठाइयों, बेकरी उत्पादों, पेय पदार्थों और अन्य खाद्य सामग्री में चीनी की मांग अचानक बढ़ जाती है। ऐसे समय में जमाखोरी या जरूरत से अधिक भंडारण पर सरकार की नजर रहती है।

चीनी का इस्तेमाल करने वाले बड़े कारोबारी संस्थानों के साथ-साथ हलवाई और मिठाई कारोबार से जुड़े प्रतिष्ठानों पर भी इसका असर पड़ सकता

है। अतिरिक्त स्टॉक निर्धारित अवधि में बेचने का दबाव बढ़ने से कारोबारियों को अपनी खरीद, भंडारण और बिक्री की रणनीति में बदलाव करना पड़ सकता है। हालांकि इसका सीधा असर मिठाइयों की कीमतों पर पड़ेगा या नहीं, यह मांग, उपलब्धता और बाजार भाव पर निर्भर करेगा। यदि अतिरिक्त स्टॉक बाजार में आता है तो आपूर्ति बढ़ सकती है, जबकि त्योहारों के दौरान मांग बढ़ने से कीमतों पर अलग दबाव बन सकता है।

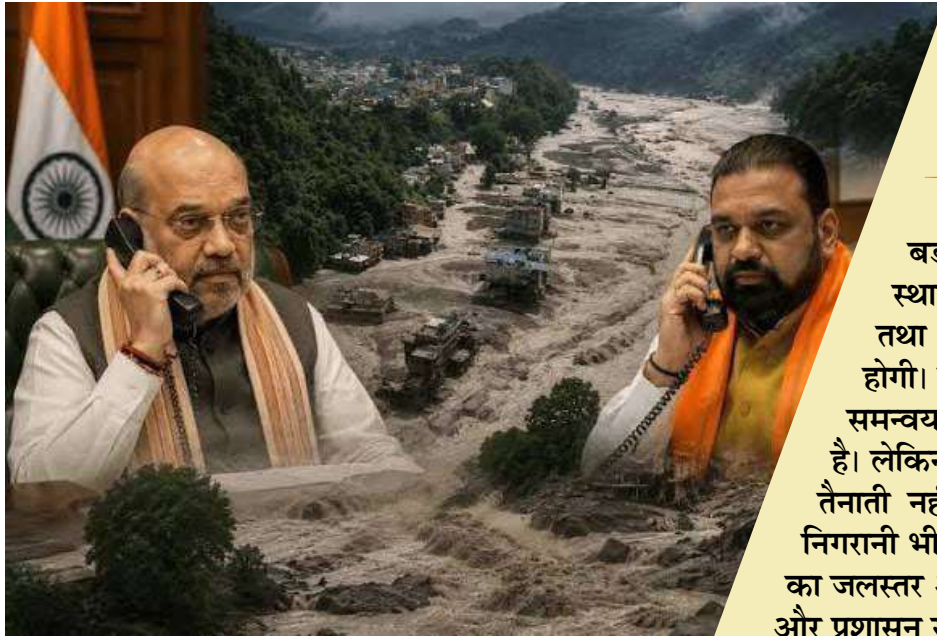
बिहार पर बाढ़ का खतरा, अमित शाह ने सम्राट चौधरी से की बात; एनडीआरएफ हाई अलर्ट

रणजीत टाइम्स

ranjeettimes.com

पटना। बिहार में लगातार बारिश और नदियों के बढ़ते जलस्तर के बीच बाढ़ का खतरा गहराने लगा है। संभावित स्थिति को देखते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से बातचीत कर राज्य की स्थिति की जानकारी ली और केंद्र की ओर से हरसंभव मदद का भरोसा दिया।

स्थिति को देखते हुए राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) को हाई अलर्ट पर रखा गया है। संवेदनशील इलाकों में राहत और बचाव दलों की तैनाती तथा आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता पर नजर रखी जा रही है। प्रशासन को निचले इलाकों और नदी किनारे बसे गांवों में विशेष सतर्कता बरतने



की जरूरत है। बिहार में बाढ़ कोई नई चुनौती नहीं है।

गंगा, कोसी, गंडक, बागमती और अन्य नदीयों के जलस्तर में बढ़ोतरी होने पर बड़े क्षेत्र में जनजीवन प्रभावित हो सकता है

ऐसे में प्रशासन के सामने सबसे बड़ी चुनौती समय रहते लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने और भोजन, पेयजल तथा चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने की होगी। गृह मंत्रालय और राज्य सरकार के बीच समन्वय इस संकट में निर्णायक साबित हो सकता है। लेकिन हाई अलर्ट का मतलब सिर्फ बलों की तैनाती नहीं, बल्कि जमीनी तैयारी की लगातार निगरानी भी है। अब नजर इस बात पर है कि नदियों का जलस्तर आने वाले घंटों में किस दिशा में जाता है और प्रशासन संभावित बाढ़ से निपटने के लिए कितनी तेजी से कार्रवाई करता है।

परिसीमन पर खरगे की PM मोदी से अपील, 25 साल तक 543 लोकसभा सीटें रखने की मांग; सर्वदलीय बैठक बुलाने को कहा

रणजीत टाइम्स

ranjeettimes.com

नई दिल्ली। प्रस्तावित परिसीमन को लेकर राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर परिसीमन की प्रक्रिया से जुड़े अपने पुराने सुझावों को दोहराया है। खरगे ने कहा है कि इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर संसद में कोई भी प्रस्ताव लाने से पहले सभी राजनीतिक दलों और राज्य सरकारों को उसका विस्तार से अध्ययन करने के लिए पर्याप्त समय दिया जाना चाहिए।

उन्होंने परिसीमन पर चर्चा के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग भी की है। खरगे ने प्रधानमंत्री को यह पत्र केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू के उस बयान के बाद लिखा है, जिसमें उन्होंने संसद का एक और विशेष सत्र बुलाए जाने की संभावना के संकेत दिए थे। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि यदि परिसीमन जैसे व्यापक प्रभाव वाले विषय पर संसद में चर्चा या प्रस्ताव लाने की तैयारी हो रही है, तो सरकार को जल्दबाजी से बचना चाहिए। उनका कहना है कि इस विषय का असर देश की राजनीति और राज्यों के प्रतिनिधित्व पर लंबे समय तक पड़ सकता है, इसलिए सभी पक्षों की राय लेना जरूरी है। खरगे ने अपने पत्र में अपने 16 जुलाई को प्रधानमंत्री को लिखे गए पत्र का भी उल्लेख किया है। उन्होंने कहा कि उस पत्र के माध्यम से भी उन्होंने सरकार से सर्वदलीय बैठक बुलाने और राजनीतिक दलों को परिसीमन से जुड़े प्रस्ताव का अध्ययन करने के लिए पर्याप्त समय देने का आग्रह किया था। कांग्रेस अध्यक्ष के अनुसार, परिसीमन का विषय केवल किसी एक दल या सरकार से जुड़ा हुआ नहीं है, बल्कि इसका प्रभाव देश की पूरी राजनीतिक व्यवस्था पर पड़ सकता है। कांग्रेस की ओर से परिसीमन को लेकर एक प्रमुख मांग यह है कि लोकसभा की मौजूदा 543



सीटों को 25 साल तक बरकरार रखा जाए। पार्टी का तर्क है कि परिसीमन के कारण राज्यों के प्रतिनिधित्व में होने वाले संभावित बदलावों को लेकर व्यापक चर्चा जरूरी है। खरगे ने इस मुद्दे पर राजनीतिक दलों और राज्यों के बीच सहमति बनाने पर जोर दिया है। परिसीमन का सीधा संबंध लोकसभा और विधानसभा क्षेत्रों की सीमाओं के पुनर्निर्धारण से है। जनसंख्या के आधार पर निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाओं और प्रतिनिधित्व में बदलाव की प्रक्रिया को परिसीमन कहा जाता है। यही वजह है कि परिसीमन का मुद्दा राजनीतिक रूप से काफी संवेदनशील माना जाता है। अलग-अलग राज्यों में जनसंख्या वृद्धि की दर अलग होने के कारण सीटों के संभावित पुनर्वितरण को लेकर राजनीतिक दलों की अपनी-अपनी चिंताएं हैं। खरगे ने कहा है कि इतने महत्वपूर्ण विषय पर सरकार को सभी संबंधित पक्षों के साथ बातचीत करनी चाहिए। उनका कहना है कि किसी प्रस्ताव को संसद में पेश करने से पहले राजनीतिक दलों और राज्य सरकारों को दस्तावेजों का अध्ययन करने और अपनी राय तैयार करने का पर्याप्त अवसर मिलना चाहिए। इससे प्रस्ताव पर संसद में अधिक गंभीर और तथ्य आधारित चर्चा हो सकेगी। कांग्रेस अध्यक्ष ने सर्वदलीय बैठक की मांग को भी प्रमुखता से उठाया है।

दिल्ली में BRICS शिखर सम्मेलन की मेजबानी से बड़ी भारत की जिम्मेदारी, पश्चिम एशिया संकट पर सहमति बनाना बड़ी चुनौती

रणजीत टाइम्स

ranjeettimes.com

नई दिल्ली। भारत को BRICS शिखर सम्मेलन की मेजबानी मिलने के साथ ही उसकी कूटनीतिक जिम्मेदारियां भी बढ़ गई हैं। सितंबर में दिल्ली में होने वाले BRICS शिखर सम्मेलन में पश्चिम एशिया की मौजूदा स्थिति सबसे संवेदनशील मुद्दों में से एक हो सकती है। भारत के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह होगी कि अलग-अलग हितों और राजनीतिक नजरिए वाले सदस्य देशों के बीच किसी साझा रुख पर सहमति बनाई जाए। सूत्रों के मुताबिक, पश्चिम एशिया में जारी संकट को देखते हुए भारत की कोशिश होगी कि BRICS के मंच पर किसी भी संवेदनशील मुद्दे को लेकर आम सहमति का रास्ता निकाला जाए। भारत नहीं चाहेगा कि किसी महत्वपूर्ण विषय पर सदस्य देशों के बीच गंभीर मतभेद सामने आए।

यदि किसी एक सदस्य देश का रुख साझा प्रस्ताव से अलग होता है, तो उसका असर सम्मेलन के दौरान जारी होने वाले संयुक्त बयान की भाषा पर भी पड़ सकता है। BRICS में हाल के वर्षों में कई नए देशों को शामिल किया गया है। इनमें ईरान और संयुक्त अरब अमीरात यानी UAE भी शामिल हैं। दोनों देश करीब दो साल पहले संगठन के विस्तार के दौरान BRICS का हिस्सा बने थे। पश्चिम एशिया से जुड़े मौजूदा संकट के बीच इन दोनों देशों की प्राथमिकताएं और

राजनीतिक दृष्टिकोण हर मुद्दे पर एक जैसे नहीं हैं। ऐसे में भारत के लिए दोनों देशों समेत अन्य सदस्यों के बीच संतुलन बनाना महत्वपूर्ण होगा। पश्चिम एशिया के हालात को लेकर BRICS के अलग-अलग मंचों पर सदस्य देशों के रुख में अंतर सामने आता रहा है। विदेश मंत्रियों की बैठकों समेत अन्य महत्वपूर्ण बैठकों में भी अलग-अलग देशों की प्राथमिकताओं में अंतर दिखाई दिया है। ऐसे



में दिल्ली में होने वाली शिखर बैठक में यदि पश्चिम एशिया का मुद्दा प्रमुखता से सामने आता है। तो भारत को सभी पक्षों के बीच सहमति बनाने के लिए सक्रिय कूटनीति करनी पड़ सकती है। भारत की विदेश नीति लंबे समय से संवाद और संतुलन पर जोर देती रही है। भारत के पश्चिम एशिया के लगभग सभी प्रमुख देशों के साथ अलग-अलग स्तर पर महत्वपूर्ण संबंध हैं। ऊर्जा सुरक्षा, व्यापार, निवेश, भारतीय प्रवासियों और रणनीतिक सहयोग के कारण पश्चिम एशिया भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण क्षेत्र है। ऐसे में किसी एक पक्ष के समर्थन में ऐसा रुख अपनाना भारत के व्यापक हितों के लिए चुनौती पैदा कर सकता है।